हे दुःख भन्जन मारुती नंदन सुन लो मेरी पुकार

हे दुःख भन्जन, मारुती नंदन, सुन लो मेरी पुकार |
पवनसुत विनती बारम्बार ||

अष्ट सिद्धि नव निद्धी के दाता, दुखिओं के तुम भाग्यविदाता |
सियाराम के काज सवारे, मेरा करो उधार ||

अपरम्पार है शक्ति तुम्हारी, तुम पर रीझे अवधबिहारी |
भक्ति भाव से ध्याऊं तुम्हे, कर दुखों से पार ||

जपूं निरंतर नाम तिहरा, अब नहीं छोडूं तेरा द्वारा |
राम भक्त मोहे शरण मे लीजे भाव सागर से तार ||

स्वर : हरी ॐ शरण

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/46/title/he-dukh-bhanjan-maaruti-nandan-sun-lo-mrei-pukaar-pavansut-vinati-barambaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |